# भारतीय विदेश सेवा अधिकारियों के प्रतिनिधिमंडल ने उत्तर प्रदेश में व्यापार, पर्यटन व निर्यात संभावनाओं को तलाशा

- ***आईएफएस प्रतिनिधिमंडल ने तलाशे उत्तर प्रदेश में निवेश, पर्यटन और निर्यात के नए अवसर***

**लखनऊ, 22 मई 2025:** इन्वेस्ट यूपी के सहयोग से भारतीय विदेश सेवा (IFS) 2013–14 बैच के अधिकारियों का एक प्रतिनिधिमंडल उत्तर प्रदेश के दौरे पर है। इस दौरे का उद्देश्य राज्य की व्यापार, निर्यात, पर्यटन एवं कौशल विकास से जुड़ी पहलों को समझना और वैश्विक स्तर पर उत्तर प्रदेश की नीतियों को प्रस्तुत कर निवेश, रोजगार एवं पर्यटन को बढ़ावा देना है।

22 मई की सुबह प्रतिनिधिमंडल के सदस्य सुश्री सौम्या गुप्ता, श्री विवेक सिंह, श्री धर्मेंद्र सिंह, श्री गौरव गुप्ता, श्री राहुल कुमार राकेश, श्री वेद प्रकाश सिंह, और सुश्री अनन्या अग्रवाल और श्वेता बंसल ने उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन (UPSDM) कार्यालय का दौरा किया, जहाँ प्रमुख सचिव डॉ. हरिओम एवं मिशन निदेशक श्री अभिषेक सिंह ने राज्य की प्रमुख कौशल विकास योजनाओं की जानकारी दी। 'स्पेशल प्रोजेक्ट प्रवीण' जैसी उच्च गुणवत्ता की प्रशिक्षण योजनाओं और ग्रामीण युवाओं के लिए विशेष कार्यक्रमों पर चर्चा हुई। अधिकारियों ने अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप प्रशिक्षण के माध्यम से वैश्विक रोजगार अवसरों को बढ़ाने की दिशा में राज्य की प्रतिबद्धता की सराहना की।

इन्वेस्ट यूपी के अधिकारियों संग प्रतिनिधिमंडल ने शाम को पर्यटन विभाग के अधिकारियों से भी मुलाकात की। निदेशक श्री प्रखर मिश्रा एवं विशेष सचिव सुश्री ईशा प्रिया ने राज्य के 12 मेगा टूरिज़्म सर्किटों की जानकारी दी, जिनमें अयोध्या, वाराणसी व प्रयागराज के आध्यात्मिक त्रिकोण एवं वैश्विक आस्था का केंद्र बौद्ध परिपथ प्रमुख हैं। बैठक में पर्यटन विभाग और विदेशों में स्थित भारतीय दूतावासों के बीच सहयोग बढ़ाने पर बल दिया गया, जिससे उत्तर प्रदेश को अंतरराष्ट्रीय पर्यटन मानचित्र पर और सशक्त रूप से प्रस्तुत किया जा सके।

इससे पूर्व, 21 मई को प्रतिनिधिमंडल ने लखनऊ स्थित लोक भवन में एमएसएमई व निर्यात प्रोत्साहन विभाग के सचिव श्री प्रांजल यादव से भेंट की। उन्होंने उत्तर प्रदेश के सशक्त निर्यात तंत्र, 'एक जनपद एक उत्पाद (ODOP)' योजना और प्रस्तावित निर्यात नीति 2025 के प्रमुख बिंदुओं से अधिकारियों को अवगत कराया। स्थानीय उत्पादों और कारीगरों को अंतरराष्ट्रीय मंच पर पहचान दिलाने में राजनयिक भूमिकाओं के योगदान पर भी चर्चा हुई। इस अवसर पर अधिकारियों को ODOP स्मृति चिह्न भेंट किए गए।

प्रतिनिधिमंडल ने सूचना प्रौद्योगिकी एवं इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग के प्रमुख सचिव श्री अनुराग यादव से भी मुलाकात की। श्री यादव ने बताया कि लैंड-लॉक्ड राज्य होने के बावजूद उत्तर प्रदेश देश का दूसरा सबसे बड़ा इलेक्ट्रॉनिक्स निर्यातक राज्य है। उन्होने कहा कि निवेश प्रोत्साहन नीतियों के चलते अब प्रदेश में डेटा सेंटर और सेमीकंडक्टर निर्माण इकाई भी लग रही है।

यह बहुआयामी संवाद उत्तर प्रदेश की वैश्विक व्यापार, पर्यटन एवं कौशल विकास में साझेदारी को सुदृढ़ करने की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। IFS अधिकारियों ने अपनी राजनयिक तैनातियों के माध्यम से उत्तर प्रदेश के वैश्विक प्रचार-प्रसार में सहयोग देने की इच्छा जताई।

---